www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 7:08 बजे
सूर्यास्त शाम 6:07 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-156 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • मंगलवार 10 फरवरी 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल

न्यूज ब्रीफ

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल | सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी कथित तौर पर जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल हैं। पुलिस ने एक बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने तेंगनुपाल जिले के भारत-म्यांमार सीमा से लगे यांगौबुंग इलाके से एक मोर्टार और दो आईईडी बरामद किए। बरामद विस्फोटकों को बम निरोधक दल ने मौके पर ही नष्ट कर दिया।

नाइजीरिया ट्रक पलटा 30 लोगों की मौत

कानो | उत्तरी नाइजीरिया के कानो राज्य में एक सड़क हादसा हो गया। यात्रियों और सामान से लदा एक ट्रक राजमार्ग पर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने इस घटना की पुष्टि करते हुए इसे राज्य के लिए एक बड़ी क्षति बताया है। लापरवाही से वाहन चला रहे ट्रक चालक ने कानो के गेजावा स्थानीय सरकारी क्षेत्र के क्वानार बार्डे कस्बे में एक राजमार्ग पर ट्रक से नियंत्रण खो दिया।

जिमी लाई को 20 साल की सजा

हांगकांग | हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज एवं चीन के मुखर आलोचक जिमी लाई को सोमवार को 20 साल कारावास की सजा सुनाई गई। लाई को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराया गया था। लाई को इस मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है। लाई इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकते हैं। उसके सह-आरोपियों को छह साल तीन महीने से लेकर 10 साल कारावास तक की जेल की सजा मिली है।

शरद पवार पुणे के एक अस्पताल में भर्ती

पुणे | 85 वर्ष के शरद पवार को सोमवार दोपहर गले में खराश और खांसी की शिकायत के बाद बारामती स्थित उनके आवास से पुणे के एक अस्पताल में ले जाया गया। उनके भतीजे श्रीनिवास पवार ने बताया कि पवार को कल रात से लगातार खांसी आ रही थी और सीने में जकड़न के लक्षण दिखाई दे रहे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के लिए पुणे ले जाया गया।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

संसद में टकराव तेज, विपक्ष के हंगामे से लोक सभा स्थगित

एजेंसी | नई दिल्ली

विपक्षी सांसद सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकते हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब विपक्ष ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं दिया गया। खबरों के अनुसार, यह फैसला संसद भवन परिसर में राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यालय में हुई इंडिया ब्लॉक के सदन के नेताओं की बैठक में लिया गया। इस बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मौजूद थे।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि संसदीय नियमों के अनुसार, विपक्ष का नेता एक छाया प्रधानमंत्री होता है। लेकिन यहां विपक्ष के नेता को सदन में बोलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सरकार कुछ भी कह सकती है और किसी पर भी हमला कर सकती है। अध्यक्ष स्वयं कांग्रेस की महिला सांसदों पर आरोप लगा रहे हैं, लेकिन इस सदन में विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं है, उन्हें बोलने की अनुमति तक नहीं दी जा रही है। विपक्ष के प्रति इस तरह का रवैया पहले कभी नहीं देखा गया... हम कार्रवाई का इंतजार करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौता कुछ हद तक चौंकाने वाला था, और विपक्ष के नेता अध्यक्ष से इस बारे में कुछ बातें कहना चाहते थे, लेकिन इसकी भी अनुमति नहीं दी गई। सरकार संसद को अपने लिए सुरक्षित रखना चाहती है। कांग्रेस ने अध्यक्ष के प्रति अविश्वास व्यक्त किया है और आठ सांसदों का निलंबन रद्द करने की मांग की है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय झा ने कहा कि निलंबन के बाद विपक्ष के पास उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं बचा है। बता दें कि यह प्रस्ताव पेश करने के लिए कम से कम 50 सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। इसके लिए सदन में 14 दिन पहले लिखित नोटिस देना होता है।

कांग्रेस महिला सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को लेटर लिखा

लेटर में लिखा गया- हम यह पत्र बहुत दुख और संवैधानिक जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ लिख रहे हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप, लोकसभा के स्पीकर और इस सम्मानित सदन के संवैधानिक संरक्षक होने के नाते, सत्ताधारी पार्टी द्वारा विपक्ष की महिला सांसदों, खासकर इंडियन नेशनल कांग्रेस की महिला सांसदों के खिलाफ झूठे, बेबुनियाद और मानहानिकारक आरोप लगाने के लिए मजबूर किए गए हैं।

किरेन रिजिजू बोले- लोकसभा गुंडागर्दी की जगह नहीं, हर चीज की सीमा होती है

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही बाधित करने के लिए कांग्रेस सांसदों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने अध्यक्ष के कक्ष में अभद्र व्यवहार

का आरोप लगाते हुए पार्टी पर जानबूझकर संसद की कार्यवाही को बाधित करने का आरोप लगाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा प्रधानमंत्री को सुरक्षा संबंधी चेतावनी दिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस सांसदों का आचरण अस्वीकार्य है। यह घटना बिरला द्वारा वीरवार को दिए गए उस बयान के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ कांग्रेस सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री की सीट के पास जाकर अभूतपूर्व घटना को अंजाम देने की सूचना मिलने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में उपस्थित न होने की सलाह दी थी ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में कांग्रेस सांसदों के व्यवहार की निंदा करने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। जब कांग्रेस पार्टी के नेता का खुद पर कोई नियंत्रण नहीं है, तो अध्यक्ष ने जो किया वह सही है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के सदन में प्रवेश करते ही कांग्रेस ने हंगामा करने की योजना बनाई थी। रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के सदन में आते ही उनसे कागजात छीनने की योजना बनाई थी। संसद गुंडागर्दी का स्थान नहीं है। लेकिन जब कांग्रेस सदन में आई, तो हमने संयम बरता। हर चीज की एक सीमा होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार सदन को सुचारू रूप से चलाना चाहती है, लेकिन व्यवधान संसदीय कार्य में बाधा डाल रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हम सदन चलाना चाहते हैं। अगर कांग्रेस सदन को चलने नहीं देना चाहती, तो अन्य सांसदों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। एक अलग बयान में, रिजिजू ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस लगातार व्यवधान के कारण नहीं हो सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में कांग्रेस नेतृत्व जानबूझकर कार्यवाही में बाधा डाल रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस नहीं हो सकी। मुझे लगता है कि लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता सदन को चलने नहीं देना चाहते। अध्यक्ष भी कांग्रेस सांसदों के व्यवहार से आहत हैं। रिजिजू ने चेतावनी दी कि यदि सदन ठप्प रहा तो विपक्ष को सबसे अधिक नुकसान होगा।

पूर्व जनरल नरवणे की किताब अब भी अटकी, आरटीआई से सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

अन्य सेवानिवृत्त सैन्य अफसरों की किताबों को मिली मंजूरी, प्रकाशन स्वीकृति मामलों में तेज़ी से बढ़ोतरी

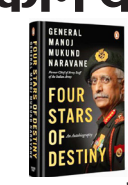

नई दिल्ली | पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी अब भी रक्षा मंत्रालय की मंजूरी के इंतजार में अटकी हुई है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत मिले जवाब से यह तथ्य सामने आया है कि जहां अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की किताबों को स्वीकृति मिल चुकी है, वहीं जनरल नरवणे की किताब फिलहाल समीक्षा प्रक्रिया में लंबित है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक आरटीआई के जवाब के अनुसार, ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) जीवन राजपुरोहित की पुस्तक लीडरशिप बियॉन्ड बैरक्स को "अंडर प्रोसेस" बताया गया था, हालांकि लेखक के अनुसार अब उसे मंजूरी मिल चुकी है और वह प्रकाशन की प्रतीक्षा में है।

वहीं, दो अन्य पांडुलिपियांउजनरल नरवणे की फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी और पूर्व सेना प्रमुख जनरल एनसी विज की अलोन इन द रिंग—रक्षा मंत्रालय को भेजी गई थीं। जनरल विज की पुस्तक मई 2025 में प्रकाशित हो चुकी है।

इस तरह जनरल नरवणे की आत्मकथा अकेली ऐसी किताब रह गई है, जो अब तक स्पष्ट मंजूरी के बिना लंबित है। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार को पूर्व सेना प्रमुख के प्रति पूरा सम्मान है और विपक्ष इस विषय को लेकर उनका "मजाक उड़ाने" की कोशिश कर रहा है।

आरटीआई दस्तावेज यह भी दर्शाते हैं कि सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों द्वारा प्रकाशन मंजूरी के लिए भेजी जा रही पुस्तकों की संख्या में बीते वर्षों में तेज़ बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2020 में केवल एक पांडुलिपि समीक्षा के लिए भेजी गई थी, 2021 में एक भी नहीं, जबकि 2022 में यह संख्या चार रही। 2023 में यह आंकड़ा अचानक बढ़कर 16 हो गया, जिनमें जनरल नरवणे की किताब भी शामिल थी। 2024 में सितंबर तक 14 पांडुलिपियां भेजी जा चुकी थीं। हाल के समय में जिन वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की पुस्तकों को मंजूरी मिली है, उनमें लेफ्टिनेंट जनरल एसए हसनैन, लेफ्टिनेंट जनरल एसके गडॉक, लेफ्टिनेंट जनरल एसआरआर अयंगर, मेजर जनरल (डॉ.) अशोक कुमार, मेजर जनरल शशिकांत पित्रे, मेजर जनरल आरके शर्मा, मेजर जनरल जीडी बख्शी और लेफ्टिनेंट जनरल योगेश कुमार जोशी शामिल हैं।

खालिस्तान-बाहरी आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे भारत-कनाडा

अजीत डोभाल के कनाडा दौरे पर हुआ फैसला

एजेंसी | कनाडा

भारत और कनाडा ने आपसी सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। दोनों देशों ने यह तय किया है कि वे एक-दूसरे के देश में सुरक्षा और कानून-प्रवर्तन

से जुड़े विशेष संपर्क अधिकारी तैनात करेंगे। यह फैसला भारत के राष्ट्रीय सलाहकार अजीत डोभाल की ओटावा यात्रा के दौरान हुई उच्च-स्तरीय बैठकों के बाद लिया गया है।

इस दौरान अजीत डोभाल ने कनाडा की नेशनल सिक्योरिटी और इंटेलिजेंस एडवाइजर और प्रिवी काउंसिल की डिप्टी क्लर्क नथाली जी डूइन से मुलाकात की। साथ ही कनाडा के पब्लिक सेफ्टी मंत्री गैरी अनंदसंगरी से भी बातचीत हुई।

दोनों सरकारों की ओर से जारी बयानों के मुताबिक, भारत और कनाडा ने राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-प्रवर्तन के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक साझा कार्ययोजना पर सहमति जताई है। इस कार्ययोजना का सबसे अहम हिस्सा एक-दूसरे के यहाँ लायजन ऑफिसर की नियुक्ति है। यह सहमति बनी के दोनों देश सुरक्षा और कानून-प्रवर्तन से जुड़े संपर्क अधिकारी तैनात करेंगे और उनकी संबंधित एजेंसियाँ पहले से मौजूद कार्य संबंधों को और मजबूत करेंगी। इस अहम कदम से भारत और कनाडा के बीच आपसी बातचीत और तालमेल को आसान बनाया जा सकेगा। इससे दोनों देशों से जुड़े साझा मुद्दों पर समय रहते जानकारी साझा हो पाएगी। इनमें खासतौर पर अवैध ड्रग्स की तस्करी, विशेष रूप से फेंटेनाइल से जुड़े कच्चे माल की गैरकानूनी सप्लाई और अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक नेटवर्क जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं।

लायजन ऑफिसर दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक तय संपर्क बिंदु के तौर पर काम करेंगे। इसके अलावा दोनों देशों ने साइबर सुरक्षा नीति पर सहयोग को औपचारिक रूप देने और साइबर सुरक्षा से जुड़े मामलों में जानकारी साझा करने पर भी सहमति जताई है। साथ ही धोखाधड़ी और इमिग्रेशन कानूनों को लागू करने से जुड़े मामलों में सहयोग पर बातचीत जारी रखने का फैसला भी किया गया है, जो दोनों देशों के घरेलू कानूनों और अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों के अनुरूप होगा। अजीत डोभाल की यह यात्रा भारत-कनाडा रिश्तों में आई नरमी को और आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है।

दिल्ली के 10 स्कूलों को बम की धमकी

नई दिल्ली | राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को कम से कम 10 विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले। धमकी मिलने के बाद बड़े पैमाने पर सुरक्षा कर्मियों को तैनात कर दिया गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी है। डीएफएस के अनुसार, शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित कई शैक्षणिक संस्थानों से सोमवार सुबह के समय आपातकालीन कॉल प्राप्त हुए, जिसके बाद दमकल गाड़ियां और बम निरोधक दस्ते तुरंत उन स्थानों पर भेजे गए। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, 'सोमवार कुल 10 स्कूलों को बम की धमकी मिली। दमकल सेवा दल तुरंत परिसर में पहुंचे। तलाशी ली गई।

मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक से मुलाकात की

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हैदराबाद हाउस में सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी से मुलाकात की। इससे पहले सेशेल्स के राष्ट्रपति ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले सोमवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी से भेंट की और 'विजन महासागर' के प्रति उनके समर्थन की सराहना की।

राष्ट्रपति हर्मिनी रविवार को चेन्नई और मुंबई में कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद राजधानी पहुंचे। यह भारत की उनकी पहली यात्रा है, जब से उन्होंने अक्टूबर 2025 में पदभार संभाला है। यह दौरा भारत और सेशेल्स के बीच

कूटनीतिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर से भी जुड़ा हुआ है।

विदेश मंत्रालय के 'एक्स' पोस्ट के अनुसार, चेन्नई और मुंबई में अपने कार्यक्रमों के दौरान हर्मिनी ने प्रशासन, उद्योग, तटीय प्रबंधन और स्वास्थ्य क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख हितधारकों से मुलाकात की, ताकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत किया जा सके।

एमईए ने सेशेल्स के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए उसे भारत का एक प्रमुख समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर' के तहत अहम साझेदार बताया तथा ग्लोबल साउथ के साथ सहयोग के लिए नई दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। पोस्ट में कहा गया, "सेशेल्स भारत का एक प्रमुख समुद्री पड़ोसी है और 'विजन महासागर' तथा ग्लोबल साउथ के प्रति प्रतिबद्धता में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है।"

नई दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रपति हर्मिनी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता करने वाले हैं। इन चर्चाओं में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श होने की संभावना है।

चेन्नई में हर्मिनी ने सेशेल्स के स्वास्थ्य मंत्री मार्विन नोलन फैनी के साथ सिम्स अस्पताल के चेयरमैन रवि पचमुथु से मुलाकात की। मुंबई में सेशेल्स के राष्ट्रपति ने बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात की।

मोदी ने बच्चों को दिए भविष्य सुधारने के टिप्स

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के दूसरे एपिसोड में सोमवार को देशभर के अलग-अलग हिस्सों के छात्र-छात्राओं से संवाद किया। दूसरे एपिसोड में पीएम मोदी ने रायपुर, गुजरात में जनजातीय बच्चों, तमिलनाडु और गुवाहाटी जाकर छात्रों से बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने खुद से जुड़े किस्से सुनाते हुए छात्रों को मोटिवेट किया। उन्होंने बच्चों को कठिनाइयों से लड़ने से लेकर भविष्य सुधारने तक के टिप्स दिए।

प्रधानमंत्री ने बच्चों को आत्मविश्वास के मायने बताए। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास दो शब्द हैं- आत्म और विश्वास, जिसा खुद पर विश्वास है, उसको कभी डर नहीं लगता और आगर आप खुद पर विश्वास करते हैं तो आप हर बाधा पार कर सकते हैं। उन्होंने शिकागो में भाषण देने से जुड़ा अपना एक किस्सा भी सुनाया।

माता-पिता की दूसरे बच्चों से तुलना करने पर भी पीएम मोदी ने कहा कि इससे बचना चाहिए। उन्होंने परिजनों को सलाह दी कि ऐसा नहीं करना चाहिए, इससे एक बच्चे की तारीफ से दूसरे बच्चे को बुरा लग सकता है। इसके साथ पीएम मोदी ने अपने डायट भी बच्चों के साथ साझा की। नींद पर पीएम मोदी ने कहा, "परीक्षा का तनाव कम करने के लिए खूब हँसो और अच्छी नींद लो। जब आप अच्छी नींद लेते हैं तो दिमाग में फ्रेश आइडिया आते हैं, फ्रेश सोच आती है। जो व्यक्ति बहुत बड़ा बन गया है, उस पर ध्यान न दें। उसने कहाँ से शुरू किया था, उस पर ध्यान दो। सपनों के साथ जीना सीखें, शोर मचाएँ तो सिर्फ सफलता का।" मोदी ने बच्चों को लीडर बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

मोहन भागवत-अदनान सामी की मुलाकात पर कांग्रेस का हमला

एजेंसी | मुंबई

आरएसएस के शताब्दी वर्ष के मौके पर मुंबई में आयोजित कार्यक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में नया तूफान खड़ा कर दिया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और प्रसिद्ध गायक अदनान सामी की मुलाकात तथा साथ भोजन करने को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने इसे "राष्ट्र-विरोधी" कदम बताते हुए संघ की विचारधारा पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया कि सामी के पिता ने उस युद्ध के दौरान पठानकोट एयरबेस पर हमला किया था और अब आरएसएस प्रमुख उनके साथ भोजन कर रहे हैं, जो देश के हितों के खिलाफ है। अदनान सामी के पिता पाकिस्तान वायु सेना में पायलट थे और 1965 के भारत–पाक युद्ध में शामिल रहे थे। पार्टी ने इस पृष्ठभूमि का हवाला देते हुए आरएसएस के कार्यक्रम में सामी की मौजूदगी पर आपत्ति जताई।

पेज 1 एंकर स्टोरी | फैसला मिलने के बाद अगले ही दिन पूर्व कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति की हो गई मौत

30 साल बाद साबित हुआ, नहीं ली थी 20 रुपये की रिश्वत

एजेंसी | अहमदाबाद

महज 20 रुपये की रिश्वत का आरोप। क़रीब 30 साल मुक़दमा झेला। अब अदालत से निर्दोष साबित हुआ। लेकिन यह जीत सिर्फ एक पल की मेहमान साबित हुई। अगले ही दिन उनकी मौत हो गई। यह कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि भारतीय न्याय व्यवस्था में लंबित मामलों की हकीकत बयां करती है।

बाबूभाई प्रजापति

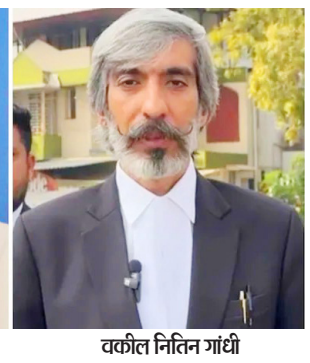

वकील नितिन गांधी

यह असल कहानी गुजरात के एक पूर्व पुलिस कांस्टेबल बाबूभाई प्रजापति की है। बाबूभाई प्रजापति उस समय अहमदाबाद के वेजलपुर इलाके में पुलिस कांस्टेबल थे। 1996 में उन पर आरोप लगा कि उन्होंने एक ट्रक ड्राइवर से 20 रुपये की रिश्वत ली। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज हुआ। बाबूभाई प्रजापति की यह असल कहानी हॉलीवुड की शॉशैंक रिडेम्पशन फिल्म जैसी लगती है, जहां निर्दोष व्यक्ति लंबे समय बाद आजाद होता है। लेकिन असल जिंदगी में अंत दुखद रहा।

1997 में उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई। 2002 में आरोप तय हुए। 2003 से गवाहों की सुनवाई शुरू हुई और 2004 में सेशन कोर्ट ने उन्हें 4 साल की सजा सुनाई। साथ में 3000 रुपये जुर्माना भी लगाया गया। तीन अन्य कांस्टेबलों के साथ यह केस चला।

बाबूभाई ने सेशन कोर्ट के फैसले के खिलाफ गुजरात हाई कोर्ट में अपील की। यह अपील 22 साल तक लंबित रही। आखिरकार 4 फरवरी 2026 को जस्टिस एसवी पिंटो ने फैसला सुनाया कि बाबूभाई और बाकी दो कांस्टेबल निर्दोष हैं। कोर्ट ने कहा कि गवाहों के बयानों में गंभीर विरोधाभास थे और अभियोजन पक्ष आरोप साबित नहीं कर सका।

कलंक हट गया, अब भगवान मुझे बुला ले

फैसले के बाद बाबूभाई अपने वकील नितिन गांधी के ऑफिस गए। वह बहुत खुश थे। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने वकील से कहा, 'मेरी जिंदगी से कलंक हट गया। अब भगवान मुझे बुला ले, तो भी मुझे कोई दुख नहीं होगा।' वकील ने उन्हें बताया कि सरकारी नौकरी के फायदे, पेंशन आदि के लिए आवेदन करें। इसके बाद बाबूभाई घर लौट गए। अगले दिन सुबह वकील ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, तो पता चला कि दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। वह 64 साल के थे। मौत प्राकृतिक कारणों से हुई।

वकील ने क्या कहा

एनडीटीवी के अनुसार वकील नितिन गांधी ने बताया, 'कल जब वे ऑफिस आए थे, बहुत खुश थे। उन्हें लगा कि आखिरकार न्याय मिल गया। मैंने कहा था कि सरकारी लाभ के लिए अप्लाई करें। अगले दिन फोन किया तो पता चला दिल का दौरा पड़ गया।' उन्होंने कहा कि बाबूभाई को थोड़ा और जीने का मौक़ा मिलता तो कितना अच्छा होता।

यह केस क्यों अहम है

यह मामला सिर्फ़ 20 रुपये का था, लेकिन इसमें 30 साल लग गए। भारतीय अदालतों में अपीलों की लंबी सुनवाई की वजह से निर्दोष लोग सालों तक सजा काटते हैं या जिंदगी बर्बाद होती है।